भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न 3791
मंगलवार, 12 अगस्त, 2025/21 श्रावण, 1947 (शक) को उत्तरार्थ

क्षेत्रीय सहयोग प्रबंधन संस्थान

+3791.श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री सुनील कुमारः

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्षेत्रीय सहयोग प्रबंधन संस्थान (आरआईसीएम) द्वारा शुरू किए गए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा अनुमोदित प्रबंधन कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम-एबीएम) के उद्देश्य और लक्षित परिणाम क्या हैं;
(ख) क्या स्नातकों के लिए प्लेसमेंट और उद्यमशीलता संबंध सुनिश्चित करने हेतु उद्योग, शैक्षणिक या कृषि हितधारकों के साथ कोई सहयोग किया जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) कार्यक्रम के अंतर्गत किए गए बजटीय आवंटन और अब तक उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या आरआईसीएम ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम चला रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या सरकार ने बिहार में उक्त कार्यक्रम शुरू किया है और यदि हाँ, तो उन कॉलेजों का ब्यौरा क्या है जहाँ यह उपलब्ध है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क): क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (RICM) द्वारा शुरू किए गए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा अनुमोदित प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा-कृषि व्यवसाय प्रबंधन (PGDM-ABM) के उद्देश्य और लक्षित परिणाम निम्नानुसार हैं:

उद्देश्य:

(i) निर्णयन और नेतृत्व क्षमता वाले सक्षम कृषि-व्यवसाय प्रबंधकों को विकसित करना ।
(ii) छात्रों को कृषि, सहकारिता और संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित प्रबंधकीय कौशल से लैस करना ।
(iii) केस अध्ययन, क्षेत्र अनुभव और संस्थागत संपर्क के माध्यम से अनुप्रयुक्त शिक्षा को बढ़ावा देना।
(iv) कृषि आधारित संगठनों को परामर्श एवं नीति-उन्मुख समाधान द्वारा सहायता प्रदान करना ।

लक्षित परिणाम:

(i) कृषि स्नातकों को कृषि उद्योग और संबद्ध कृषि उद्योग के लिए उद्योग-तैयार प्रबंधकीय पेशेवर बनने हेतु तैयार करना ।
(ii) सहकारी समितियों, कृषि-उद्यमों और ग्रामीण विकास एजेंसियों के लिए प्रशिक्षित प्रबंधकों का एक संवर्ग तैयार करना ।
(iii) कृषि-व्यवसाय परितंत्र में उद्यमशीलता संबंधी पहलों को प्रोत्साहित करना ।
(iv) शैक्षणिक-उद्योग सहभागिता के माध्यम से नीतिगत योगदान और संस्थागत विकास में वृद्धि करना।

यह पाठ्यक्रम वर्तमान में क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (RICM), गांधीनगर और क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (RICM), चंडीगढ़ द्वारा संचालित किया जा रहा है । पाठ्यक्रम में छात्रों के प्रवेश की वार्षिक संख्या और उत्तीर्ण छात्रों का प्लेसमेंट निम्नानुसार है:

1. RICM, गांधीनगर

बैच	कुल उपलब्ध सीट	नामांकन की संख्या	छात्रों के प्लेसमेंट की संख्या
2020-22	60	45	45
2021-23	60	39	39
2022-24	60	39	39
2023-25	60	43	43
2024-26	60	26	यह पाठ्यक्रम वर्ष 2026 में समाप्त होगा
कुल	300	192	166

2. RICM, चंडीगढ़

इस शैक्षणिक वर्ष से 30 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता के साथ PGDM-ABM पाठ्यक्रम शुरू किया जा रहा है ।

(ख): जी हाँ, मान्यवर । स्नातकों के प्लेसमेंट और उद्यमशीलता लिंकेज सुनिश्चित करने हेतु उद्योग, शैक्षणिक और कृषि हितधारकों के साथ निम्नलिखित तरीके से सहयोग किया जा रहा है:

<u>उद्योग सहयोग</u>:

राष्ट्रीय सहकारी प्रशिक्षण परिषद (NCCT) के अंतर्गत RICMs द्वारा प्रस्तुत PGDM -कृषि व्यवसाय प्रबंधन कार्यक्रम ने इंटर्नशिप, फील्ड प्रशिक्षण, लाइव प्रोजेक्ट और प्लेसमेंट सपोर्ट के लिए प्रमुख उद्योग हितधारकों के साथ सक्रिय साझेदारी स्थापित की है । प्रमुख उद्योग सहयोगियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- बनासकांठा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लि. (बनास डेयरी), पालनपुर, गुजरात
- कैरा डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स यूनियन लि. (अमूल डेयरी), आणंद, गुजरात
- एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट कमेटी (APMC), पालनपुर, गुजरात
- अडानी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, शांतिग्राम, अहमदाबाद, गुजरात
- IHSEDU एग्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड

- धानुका एग्रीटेक लिमिटेड, अहमदाबाद, गुजरात
- गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल्स लिमिटेड (GNFC)

ये संगठन छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हैं तथा डेयरी, कृषि-इनपुट, विपणन और कृषि-प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों में उनके व्यावसायिक विकास में योगदान देते हैं ।

<u>शैक्षणिक सहयोग</u>:
RICMs ज्ञान-साझाकरण, उद्यमिता विकास और शैक्षणिक संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिष्ठित शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ भी सहयोग करते हैं । प्रमुख शैक्षणिक सहयोगियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (VAMNICOM), पुणे, महाराष्ट्र
- भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII), गांधीनगर, गुजरात
- अंतर्राष्ट्रीय कृषि व्यवसाय प्रबंध संस्थान, आणंद, गुजरात
- इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आणंद (IRMA), गुजरात
- भारतीय प्रबंध संस्थान (IIM), अहमदाबाद, गुजरात

ये अकादमिक साझेदारियां छात्रों के लिए विशेषज्ञ व्याख्यान, संयुक्त कार्यक्रम, केस स्टडी विकास, अनुसंधान सहयोग और उद्यमशीलता संबंधी मार्गदर्शन की सुविधा प्रदान करते हैं ।

(ग): पीजीडीएम -कृषि व्यवसाय प्रबंधन (PGDM-ABM) कार्यक्रम एक स्व-वित्तपोषित पाठ्यक्रम है, जिसे अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) द्वारा विधिवत अनुमोदित किया गया है । RICM गांधीनगर और RICM चंडीगढ़ पीजीडीएम-कृषि व्यवसाय प्रबंधन (PGDM-ABM) कार्यक्रम प्रदान कर रहे हैं । वित्तीय वर्ष 2024-25 में सरकार द्वारा RICM गांधीनगर को 168.96 लाख रुपये और RICM चंडीगढ़ को 189.75 लाख रुपये का सहायता-अनुदान-वेतन दिया गया ।

(घ): जी हाँ, मान्यवर । क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (बेंगलुरु, चंडीगढ़, गांधीनगर, कल्याणी और पटना) ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं। NCCT के अधीन सभी पाँचों क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थानों द्वारा संचालित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का ब्योरा नीचे दिया गया है:

वर्ष	क्षमता निर्माण कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या
2022-23	928	51657
2023-24	1106	62781
2024-25	1113	82645
कुल	**3147**	**197083**

(ड.) जी नहीं, मान्यवर ।

*****